

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नासिक | Saturday, 17 October 2026

सिर्फ 21 वर्ष की उम्र में शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान बना रहीं स्नेहा तुषार गौड़ ; Aspire Coaching Centre के माध्यम से विद्यार्थियों को दे रहीं नई दिशा

Sanket Morankar

Published on 16 Oct 2026



एक विद्यार्थी से शुरू हुआ सफर, अब अनेक विद्यार्थियों के भविष्य को दिशा देने का लक्ष्य हर बड़ी सफलता की शुरुआत अक्सर एक छोटे कदम से होती है। किसी के लिए यह कदम एक नए विचार से शुरू होता है, तो किसी के लिए अपने ज्ञान को दूसरों के साथ साझा करने की इच्छा से। नासिक की **21 वर्षीय स्नेहा तुषार गौड़** की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान एक विद्यार्थी को पढ़ाने से शुरू हुआ उनका सफर आगे चलकर **Aspire Coaching Centre** की स्थापना तक पहुँचा।

अप्रैल 2024 में शुरू हुए Aspire Coaching Centre के माध्यम से स्नेहा विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने तक सीमित शिक्षा देने के बजाय विषयों की स्पष्ट समझ, आत्मविश्वास और सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने पर ध्यान देती हैं। उनका मानना है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य अच्छे अंक प्राप्त करने के साथ-साथ विद्यार्थियों को आत्मविश्वासी और सक्षम बनाना भी है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान पहचानी अपनी रुचि

स्नेहा तुषार गौड़ ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान पढ़ाना शुरू किया था। शुरुआत में उन्होंने अपनी पढ़ाई के साथ एक विद्यार्थी को पढ़ाना शुरू किया। विद्यार्थी की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

पढ़ाई में रुचि बढ़ना, विषयों को बेहतर तरीके से समझना और अंकों में सुधार दिखाई देना उनके लिए महत्वपूर्ण अनुभव रहा। धीरे-धीरे स्नेहा को महसूस हुआ कि अध्यापन केवल उनकी पढ़ाई के साथ की जाने वाली गतिविधि नहीं है, बल्कि ऐसा कार्य है जिसे वे वास्तव में पसंद करती हैं और आगे भी जारी रखना चाहती हैं।

विद्यार्थियों को उत्साह के साथ कक्षा में आते देखना, उनके प्रश्नों का समाधान करना और उनकी प्रगति को देखना उनके आत्मविश्वास को बढ़ाता गया। इसी अनुभव ने उन्हें अपने शिक्षण कार्य को एक व्यवस्थित स्वरूप देने की प्रेरणा दी और अप्रैल 2024 में Aspire Coaching Centre की शुरुआत हुई।

Aspire Coaching Centre: शिक्षा को सरल और रोचक बनाने का प्रयास

नासिक स्थित Aspire Coaching Centre में कक्षा 5वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को शैक्षणिक मार्गदर्शन दिया जाता है। इसके साथ ही JEE, NEET और MHT-CET जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को भी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है।

स्नेहा का विशेष ध्यान गणित विषय पर है, जिसे वे स्वयं पढ़ाती हैं। गणित जैसे विषय में कई विद्यार्थियों को कठिनाई महसूस हो सकती है। ऐसे में अवधारणाओं को स्पष्ट करना, विद्यार्थियों के प्रश्नों को समझना और उन्हें चरणबद्ध तरीके से सीखने में मदद करना उनके शिक्षण दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

Aspire में उनका प्रयास ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहाँ विद्यार्थी केवल परीक्षा के डर से पढ़ाई न करें, बल्कि विषयों को समझने और नई चीजें सीखने में आनंद महसूस करें।

हर विद्यार्थी की क्षमता को समझने पर जोर

स्नेहा मानती हैं कि प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की गति, रुचि और क्षमता अलग होती है। इसलिए सभी विद्यार्थियों से एक जैसी गति से सीखने की अपेक्षा करने के बजाय उनकी व्यक्तिगत जरूरतों को समझना आवश्यक है।

उनके अनुसार, शिक्षक की भूमिका केवल अध्याय पढ़ाने या सवाल हल कराने तक सीमित नहीं होती। एक शिक्षक विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, अनुशासन, जिज्ञासा और भविष्य के प्रति दृष्टिकोण को भी प्रभावित कर सकता है।

इसी सोच के साथ Aspire Coaching Centre में विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने, अपनी कठिनाइयाँ साझा करने और विषयों को समझने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया जाता है। स्नेहा के लिए किसी विद्यार्थी की वास्तविक प्रगति केवल अंकों से नहीं, बल्कि उसकी समझ, आत्मविश्वास और सीखने के प्रति विकसित हुए सकारात्मक दृष्टिकोण से भी मापी जाती है।

उपलब्धियों से मिली नई प्रेरणा

स्नेहा तुषार गौड़ की शैक्षणिक और व्यक्तिगत यात्रा में कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ शामिल हैं। उन्हें WNS Mathematics Olympiad Winner के रूप में पहचान मिली है। इसके अतिरिक्त, वे GDSC Lead भी रह चुकी हैं।

फरवरी 2026 में उन्हें प्रतिष्ठित **नासिक भूषण पुरस्कार** से सम्मानित किया गया। ये उपलब्धियाँ उनके सफर के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं।

हालाँकि, स्नेहा के लिए सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक विद्यार्थियों को पढ़ाई में सुधार करते देखना, उनमें आत्मविश्वास बढ़ते हुए महसूस करना और सीखने के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होते देखना है। विद्यार्थियों की प्रगति ही उनके शिक्षण कार्य को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है।

परिवार और मार्गदर्शक का मिला महत्वपूर्ण सहयोग

किसी भी नए व्यवसाय की शुरुआत में विश्वास और सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्नेहा की यात्रा में उनके माता-पिता का विशेष योगदान रहा है। जब Aspire Coaching Centre शुरुआती चरण में था, तब उनके माता-पिता ने उनके निर्णय पर विश्वास जताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

उनके इस समर्थन ने स्नेहा को चुनौतियों के बीच अपने लक्ष्य पर ध्यान बनाए रखने का साहस दिया।

इसके साथ ही **पल्लवी बंकर मैम** Aspire की शुरुआत से ही इस यात्रा से जुड़ी रही हैं। स्नेहा के अनुसार, Aspire को विकसित करने में उनका सहयोग और योगदान महत्वपूर्ण रहा है। इस प्रकार, Aspire की यात्रा केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि उन लोगों के विश्वास और सहयोग का परिणाम है, जिन्होंने शुरुआत से उनका साथ दिया।

युवा महिला उद्यमिता की प्रेरणादायक मिसाल

कम उम्र में कोचिंग सेंटर शुरू करना स्नेहा के लिए सीखने और जिम्मेदारी निभाने का अनुभव रहा है। उनकी यात्रा यह संदेश देती है कि किसी उद्देश्य के प्रति स्पष्टता, मेहनत करने की इच्छा और लगातार सीखते रहने का दृष्टिकोण हो, तो कम उम्र भी अपने विचार को वास्तविकता में बदलने की दिशा में कदम बढ़ाने से नहीं रोकती।

स्नेहा का मानना है कि महिलाओं को अपना व्यवसाय या कोई नया कार्य शुरू करने के लिए हमेशा किसी आदर्श उम्र या बिल्कुल अनुकूल परिस्थितियों का इंतजार नहीं करना चाहिए। सही सहयोग, दृढ़ निश्चय और निरंतर प्रयास के साथ युवा महिलाएँ शिक्षा, उद्यमिता और नेतृत्व के क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकती हैं।

उनकी अपनी यात्रा में माता-पिता का विश्वास इस बात का महत्वपूर्ण उदाहरण है कि परिवार का प्रोत्साहन किसी युवा के आत्मविश्वास को मजबूत बनाने में कितनी अहम भूमिका निभा सकता है।

भविष्य में Aspire को एक विश्वसनीय शैक्षणिक संस्थान बनाने का लक्ष्य

स्नेहा तुषार गौड़ का लक्ष्य Aspire Coaching Centre का विस्तार करना है, लेकिन साथ ही वे उस व्यक्तिगत ध्यान और विद्यार्थियों के अनुकूल वातावरण को बनाए रखना चाहती हैं, जिसके साथ इस केंद्र की शुरुआत हुई थी।

वे Aspire को नासिक का एक ऐसा विश्वसनीय शैक्षणिक संस्थान बनाना चाहती हैं, जिसकी पहचान केवल शैक्षणिक परिणामों से नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, अनुशासन, आत्मविश्वास निर्माण और विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन देने से भी हो।

इसके साथ ही वे चाहती हैं कि उनकी यात्रा अन्य युवाओं, विशेषकर युवा महिलाओं को अपना कुछ सार्थक शुरू करने और अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने के लिए प्रेरित करे।

स्नेहा तुषार गौड़ का एक विद्यार्थी को पढ़ाने से लेकर Aspire Coaching Centre की स्थापना तक का सफर इस बात का उदाहरण है कि एक छोटा कदम भी बड़े उद्देश्य की शुरुआत बन सकता है। अप्रैल 2024 में शुरू हुई उनकी पहल आज विद्यार्थियों को शैक्षणिक मार्गदर्शन देने और उनके भीतर आत्मविश्वास तथा सीखने के प्रति रुचि विकसित करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।

माता-पिता के सहयोग, पल्लवी बंकर मैम के योगदान और विद्यार्थियों के विश्वास के साथ स्नेहा Aspire को एक ऐसी शैक्षणिक संस्था के रूप में विकसित करना चाहती हैं, जहाँ शिक्षा केवल अंकों तक सीमित न रहे, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य को बेहतर दिशा देने का माध्यम बने। उनकी यात्रा युवा उद्यमियों और विशेष रूप से युवा महिलाओं के लिए प्रेरणा है कि अपने सपनों की शुरुआत करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है—पहला कदम उठाने का साहस।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.